जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 272 प्रभात कोटा, सोमवार 15 जुलाई, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

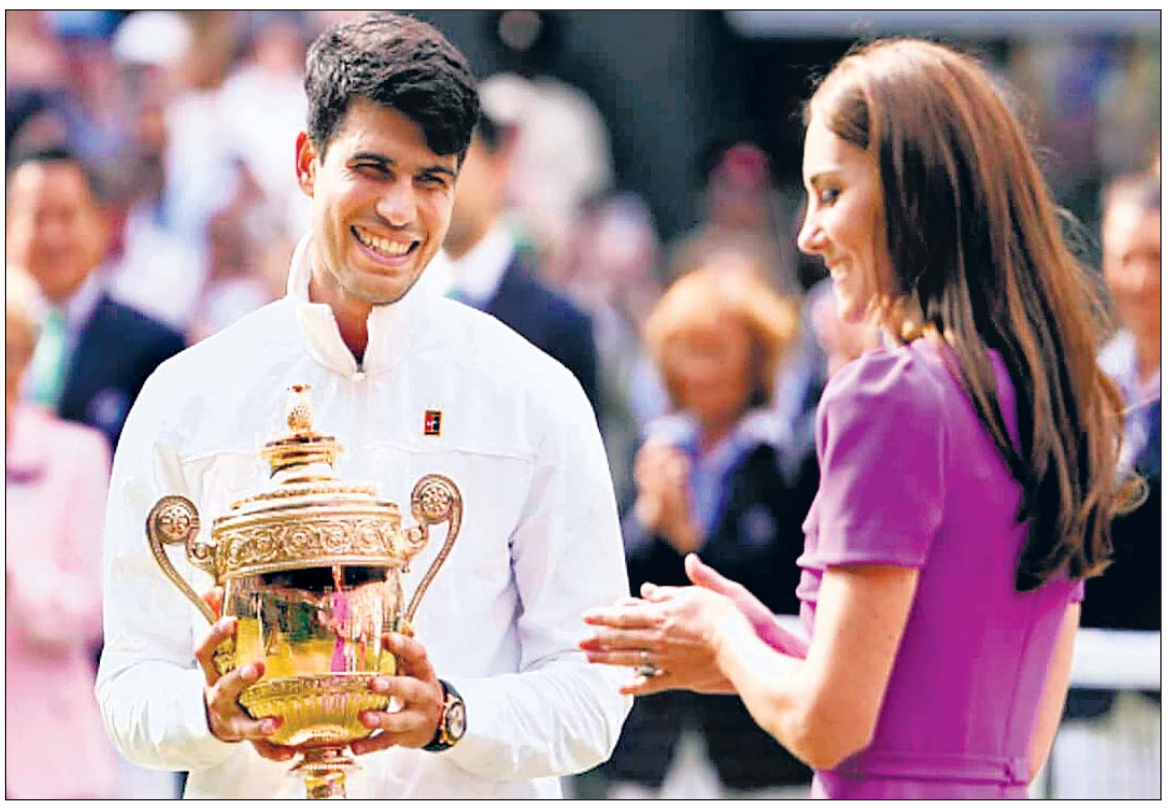

विंबलडन फाइनल के रोमांचक फाइनल में रविवार को कार्लोस अल्कराज ने नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों (6-2, 6-2, 7-6) से हरा कर खिताब पर कब्जा किया। यह अल्कराज का लगातार दूसरा विंबलडन खिताब और कुल मिलाकर उनकी चौथी ग्रैंड स्लैम जीत है। मैच की शुरुआत घबराहट और असहज भरे पहले गेम से हुई, जिसमें दोनों खिलाड़ी अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। हालांकि, अल्कराज ने तेजी से गति पकड़ी और शुरुआती गेम में जोकोविच की सर्विस तोड़ दी और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। स्पैनियार्ड के शक्तिशाली ग्राउंडस्ट्रोक और प्रभावशाली कोर्ट कवरेज जोकोविच के लिए बहुत अधिक साबित हुए, जो पूरे मैच के दौरान अपने मूवमेंट और वॉली के साथ संघर्ष करते रहे। तीसरे सेट में थोड़े समय के लिए फिर से उभरने के बावजूद, जोकोविच अल्कराज के प्रभुत्व से उबरने में असमर्थ रहे और अंततः टाईब्रेक में हार गए। अल्कराज की जीत उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिससे दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों में से एक के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हो गई है।अल्कराज के लिए, जीत उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। 24 वर्षीय स्पैनियार्ड ने अब लगातार दो विंबलडन खिताब जीते हैं, यह उपलब्धि इतिहास में केवल कुछ ही खिलाड़ियों ने हासिल की है। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें घास पर सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक के रूप में ख्याति दिलाई है, एक ऐसी सतह जो उनके कई साथियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हुई है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प पर हमलावर ने गोली दागी, कान को छूकर निकल गई बुलेट

ट्रम्प पर पेन्सिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में भाषण के दौरान जानलेवा हमला हुआ, सुरक्षाकर्मियों की जवाबी फायरिंग में हमलावर मारा गया

वाशिंगटन, 14 जुलाई (वार्ता)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शनिवार को पेंसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली में भाषण के दौरान जानलेना हमला हुआ। पूर्व राष्ट्रपति हालांकि इस हमले में बाल-बाल बच गये।

इस हमले में दर्शक दीर्घा बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गयी और रिपब्लिकन सांसद के संबंधी समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

'वाशिंगटन पोस्ट' के अनुसार ट्रम्प पेंसिल्वेनिया के बटलर में कल शाम लगभग सवा छह बजे अज्ञात बंदूकधारी की गोलीबारी में घायल हो गए। पूर्व राष्ट्रपति की सुरक्षा में तैनात गुप्त सेवा के कर्मियों ने हमलावर को मार गिराया।

गुप्त सेवा ने कहा, एक बंदूकधारी और कम से कम एक दर्शक की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।''

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में ट्रंप के कान से खून बहता देखा जा सकता है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, हमने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूर्व राष्ट्रपति की हत्या के प्रयास की जांच की जा रही है। बटलर काउंटी के जिला अटॉर्नी रिचर्ड गोल्डिंगर ने कहा, संदिग्ध बंदूकधारी को मार गिराया गया है।

- **इस हमले में दर्शक दीर्घा बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गयी और रिपब्लिकन सांसद के संबंधी समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।**
- **सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में ट्रंप के कान से खून बहता देखा जा सकता है। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति सुरक्षित हैं।**

गुप्त सेवा के प्रवक्ता एंथनी गुग्लिल्मी ने एक बयान में कहा,पिट्सबर्ग से लगभग 30 मील उत्तर बटलर में शाम करीब सवा छह रैली स्थल से बाहर ऊंचे स्थान से अचानक गोलियां दागी गयीं। इस दौरान ट्रम्प ने अपना हाथ अपने दाहिने कान पर रखा लिया और पोडियम पर झुक गये। सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया और मंच से नीचे ले गए। पूर्व राष्ट्रपति का चेहरा खून से लथपथ था।अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पूर्व राष्ट्रपति पर हुए प्राणघातक हमले की जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय मीडिया ने रविवार तड़के बताया कि एफबीआई ने हमलावर की पहचान पेंसिल्वेनिया थॉमस मैथ्यू क्रुक्स (20) के रूप की है और इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

'एनबीसी' और 'सीबीएस' ने एफबीआई की ओर से जारी एक बयान के हवाले से कहा, एफबीआई ने पेंसिल्वेनिया के बटलर में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की चुनावी रैली के दौरान हमला करके उन्हें घायल करने वाले शक्स की पहचान पेंसिल्वेनिया के बेथेल पार्क के 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स के रूप में की है।

घटना के तुरंत बाद चौकस सुरक्षाकर्मियों ने हमलावार को मार गिराया। इसके लिए ट्रम्प ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सतर्क सुरक्षा अधिकारियों को धन्यवाद भी दिया था।

टेक्सास के रिपब्लिकन सांसद रोनी जैक्सन का भतीजा भी इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गये। जैक्सन ने 'फॉक्स न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि उनके भतीजे की 'गर्दन' में चोट लगी थी। एक गोली उसकी गर्दन को पार कर गई जिससे उसकी गर्दन से खून बह रहा था। सांसद ने इस घटना को 'भयानक अनुभव' करार दिया।अमेरिकी प्रतिनिधी सभा के मुख्य जांच बोर्ड 'ओवरसाइट कमेटी 'ने पूर्व राष्ट्रपतियों और वर्तमान राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अमेरिकी गुप्त सेवा के निदेशक किम्बर्ली चीटल को ट्रम्प पर हुए हमले को लेकर को तलब किया है।

'ओवरसाइट कमेटी' ने 22 जुलाई को सुनवाई में गवाही देने के लिए चीटल को बुलाया है। पैनल ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा,देश के पूर्व राष्ट्रपति की हत्या के प्रयास के बारे में हमें जवाब चाहिए।

संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) इस घटना की जांच कर रहा है। एफबीआई के विशेष एजेंट केविन रोजेक ने इससे पहले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा,यह आश्चर्यजनक है कि गुप्त सेवा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में 4 राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन, गार्फील्ड, मैककिन्ले व कैनेडी हमलों में जान गंवा चुके हैं

अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन फोर्ड थियेटर में 'अवर अमेरिकन कज़िन' नाटक देख रहे थे तब उन्हें गोली मार दी गई थी

- **अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति जेम्स गार्फील्ड को पद संभाले सिर्फ 4 महीने ही हुए थे। वे वाशिंगटन डीसी के बाल्मोर स्टेशन पर थे। उन्हें न्यू इंग्लैण्ड जाने वाली ट्रेन पकड़नी थी। तभी स्टेशन पर चार्ल्स गुइटो नाम के एक शख्स ने उन्हें गोली मार दी।**

वॉशिंगटन, 14 जुलाई। अमेरिका में 4 राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन, गार्फील्ड, मैककिन्ले व कैनेडी हमलों में जान गंवा चुके हैं। अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन फोर्ड थियेटर में 'अवर अमेरिकन कजिन' नाटक देख रहे थे। घटना के समय बालकनी में बैठे लिंकन के सुरक्षागार्ड 'जॉन पार्कर' उस वक्त उनके साथ नहीं थे। वो इंटरवल में ही थिएटर से बाहर निकल गए थे। रात सवा दस बजे मौका देखकर हमलावर जॉन वाइक्स बूथ ने लिंकन को सिर पर पीछे से गोली मार दी।

लिंकन को अस्पताल ले जाया गया, जहां अगली सुबह, यानी 15 अप्रैल को उनकी मौत हो गई। गोली मारने वाला जॉन वाइक्स बूथ पेशेवर थिएटर आर्टिस्ट था। लिंकन को गोली मारने वाले जॉन वाइक्स बूथ की 10 दिन बाद वर्जीनिया में अमेरिकी सैनिकों से मुठभेड़ हुई। जहां वह मारा गया।

अमेरिका में 19वीं सदी में गुलाम प्रथा का चलन था। इसमें काले लोगों को खरीदा-बेचा जाता था। गोरे लोग उनसे गुलामी करवाते थे। उनकी आजादी पर गोरों का अधिकार था। उनकी जिंदगी जानवरों से भी बदतर थी।

अब्राहम लिंकन इस गुलाम प्रथा के विरोधी थे। उन्होंने इसके खिलाफ अभियान चलाना शुरू कर दिया था। वे देश के अलग-अलग हिस्सों में जाते थे और अश्वेत लोगों की आजादी के लिए भाषण देते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद साल 1863 के दिन उन्होंने दासप्रथा को गैरकानूनी घोषित कर दिया।

दक्षिणी राज्यों में लोग इस गुलामी प्रथा को जारी रखना चाहते थे, इस फैसले से नाराज हो गए जिससे देश में गृहयुद्ध छिड़ गया। लिंकन फिर भी अपने इरादों पर डटे रहे। हालांकि उनके इस फैसले से जॉन वाइक्स बूथ इतना नाराज हो गया कि उसने लिंकन की हत्या कर दी।

अब्राहम लिंकन दास प्रथा विरोधी थे। वे इसके खिलाफ लगातार अभियान चला रहे थे।

तारीख 2 जुलाई 1881, जगह- वाशिंगटन डीसी। अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति जेम्स गार्फील्ड को पद संभाले सिर्फ 4 महीने ही हुए थे। वे वाशिंगटन डीसी के बाल्मोर स्टेशन पर थे। उन्हें न्यू इंग्लैंड जाने वाली ट्रेन पकड़नी थी। वे विलियम कॉलेज जा रहे थे जहां उनकी पढ़ाई हुई थी। यहां वे लोगों के बीच अपने दोनों बेटों को इंट्रोड्यूस कराने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही चार्ल्स गुइटो नाम के एक शख्स ने उन्हें गोली मार दी। गोली उनके सीने में धंस गई। डॉक्टरों ने गोली निकालने की कई दिनों तक कोशिश की, मगर सफल नहीं हो पाए। टेलीफोन के आविष्कारक ग्राहम बेल ने इसके लिए एक विशेष मशीन बनाई ताकि वे सीने में धंसी गोली निकाल सकें, मगर वे भी कामयाब नहीं हो पाए। ढाई महीने के बाद 19 सितंबर को राष्ट्रपति जेम्स ग्राफील्ड की मौत हो गई। 39 साल के गुइटो को गार्फील्ड की हत्या का दोषी ठहराया गया।

गुइटो कई पेशे में फेल होने के बाद राजनीति से जुड़ गया था। उसे लगता था कि उसे अब तक वो जगह नहीं मिली है जिसका वो हकदार है। राष्ट्रपति चुनाव के वक्त गुइटो अपने विचारों को कागज पर छपवाकर बांटने लगा।

जब ग्राफील्ड चुनाव जीत गए तो उसे लगा कि उसके छपवाए भाषणों को पढ़कर ही गार्फील्ड को ये सफलता मिली है, इसलिए पुरस्कार के रूप में उसे राजनयिक जिम्मेदारी तो मिलनी ही चाहिए। इसके बाद गुइटो ने यूरोप के कई दूतावासों में राजनयिक बनने की कोशिश की मगर वह इसमें कामयाब नहीं हुआ।

गुइटो सर्दियों में न्यूयॉर्क शहर में रिपब्लिकन ऑफिस के चक्कर लगाता रहा। अपने भाषण के लिए किसी पुरस्कार का जुगाड़ लगाता रहा मगर कोई फायदा नहीं हुआ। इससे उसके मन में गार्फील्ड के लिए नफरत भर गई। उसने राष्ट्रपति की हत्या के लिए कई महीनों तक प्लानिंग की और मौका देखकर अपना काम कर दिया।

राष्ट्रपति ग्राफील्ड की मौत के दिन ही गुइटो ने नए राष्ट्रपति चेस्टर आर्थर को चिट्ठी लिखी। उसने लिखा- मैंने ईश्वर के आदेश पर ये काम किया। मैं जानता हूं कि मन ही मन आप मेरे काम की तारीफ करते होंगे। आप इसे हत्या के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी के एक्स पर रिकॉर्ड 10 करोड़ फॉलोअर्स हुए

नई दिल्ली 14 जुलाई (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोशल मीडिया पर देश और दुनिया में लोकप्रियता निरंतर बढ रही है और सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनके फॉलोअर्स की संख्या 100 मिलियन यानी दस करोड़ हो गयी है जिससे वह दुनिया में ऐसी हस्ती के रूप में उभरे हैं जिसके सबसे अधिक फॉलोअर्स हैं।

- **एक्स पर मोदी के फॉलोअर्स की संख्या विपक्षी इंडिया गठबंधन के 11 प्रमुख नेताओं के फॉलोअर्स की कुल संख्या से भी अधिक है। विपक्षी गठबंधन के नेताओं के कुल फॉलोअर्स की संख्या 9 करोड़ 50 लाख है जबकि मोदी के फॉलोअर्स की संख्या 10 करोड़ है।**

एक्स पर मोदी के फॉलोअर्स की संख्या विपक्षी इंडिया गठबंधन के 11 प्रमुख नेताओं के फॉलोअर्स की कुल संख्या से भी अधिक है। विपक्षी गठबंधन के नेताओं के कुल फॉलोअर्स की संख्या 9 करोड़ 50 लाख है जबकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुस्लिम बोर्ड गुजारा भत्ते पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करेगा

मुस्लिम लॉ बॉर्ड सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करेगा

नई दिल्ली 14 जुलाई (वार्ता) ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने रविवार को अपने अध्यक्ष को तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के अनिवार्य भरण-पोषण पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को वापस लेने के उपाय शुरू करने के लिए अधिकृत किया।

बोर्ड ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति हजरत मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी की अध्यक्षता में अपनी बैठक में निर्णय लिया कि मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं के भरण-पोषण पर शीर्ष अदालत का हालिया फैसला इस्लामी कानून (शरीयत) के खिलाफ था।

गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों एक फैसले में कहा था कि हर महिला चाहें वह किसी भी धर्म की हो उसे अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का पूर्ण अधिकार है। पति को हर हाल में महिला को मासिक गुजारा भत्ता देना ही होगा।

एआईएमपीएलबी ने पवित्र कुरान के अनुसार निकाह की निरंतरता के महत्व पर जोर दिया और कहा कि तलाक के बाद पुरुषों को पूर्व पत्नियों को बनाए रखने के लिए मजबूर करना अव्यावहारिक है।

- **गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने बीते दिनों एक फैसले में कहा था कि हर महिला चाहें वह किसी भी धर्म की हो उसे अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का पूर्ण अधिकार है। पति को हर हाल में महिला को मासिक गुजारा भत्ता देना ही होगा।**

बैठक की कार्रवाई का संचालन महासचिव मौलाना मुहम्मद फजलुर्रहीम मुजादीदी ने किया और इसमें देश भर से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बोर्ड ने भारत में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए तर्क दिया कि यह अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ है।

बोर्ड ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को चुनौती देने का संकल्प लिया और अपनी कानूनी समिति को एक याचिका दायर करने का निर्देश दिया। बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि भारत जैसे बहु-धार्मिक देश में, धार्मिक संस्थाओं को अपने स्वयं के कानूनों का पालन करने का अधिकार है, जैसे मुसलमानों के लिए शरिया एप्लिकेशन अधिनियम-1937। बोर्ड ने राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा अतिक्रमण को उजागर करते हुए वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा तथा उचित प्रबंधन की मांग की।

बोर्ड ने इसे हाल के चुनाव परिणामों से जोड़ते हुए मुसलमानों और निचली जाति के नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सरकार की विफलता पर चिंता व्यक्त की। इसने चेतावनी दी कि कानून के शासन की निरंतर उपेक्षा से अराजकता फैल सकती है और भारत की प्रतिष्ठा खराब हो सकती है।

बोर्ड ने ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह से संबंधित नए विवादों पर विचार करने के लिए निचली अदालतों की आलोचना की। इसने सुप्रीम कोर्ट से 'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को बरकरार रखने और विरासत मस्जिदों की रक्षा करने का आग्रह किया, साथ ही उन्हें ध्वस्त करने या बदलने के किसी भी प्रयास के प्रति आगाह भी किया।

गौरव गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे

नई दिल्ली, 14 जुलाई। कांग्रेस के गौरव गोगोई लोकसभा में पार्टी के उप नेता होंगे और इस निर्णय के बारे में एक पत्र अध्यक्ष ओम बिरला को भेजा गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि कांग्रेस के संसदीय

- **महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि कांग्रेस के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस फैसले के बारे में लोकसभा अध्यक्ष को सूचित कर दिया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मणिपुर में कुकी उग्रवादियों का सी. आर. पी. एफ टुकड़ी पर हमला, एक जवान शहीद व तीन घायल

कुकी उग्रवादियों ने तीन घंटे से अधिक समय तक मैतेई गांव के लोगों और सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाया

इम्फाल, 14 जुलाई। मणिपुर के जिरीबाम में रविवार को कुकी उग्रवादियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) पर हमला कर दिया। इसमें का एक जवान शहीद हो गया। साथ ही, सी.आर.पी.एफ. का एक जवान और 2 पुलिसकर्मी जवान घायल हुए हैं। पुलिस ने शहीद जवान की पहचान अजय कुमार झा के रूप में की है। सभी घायल कर्मियों का इलाज जिरीबाम अस्पताल में किया गया। सेइजांग कुकी गांव के भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने रविवार सुबह एक बड़ा हमला शुरू कर दिया। उन्होंने तीन घंटे से अधिक समय तक मैतेई गांव और सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाया।

पुलिस ने कहा कि सीआरपीएफ कर्मी के सिर पर उस समय गोली मारी गई, जब वह वाहन चला रहा था। जिरीबाम के एक निवासी ने कहा, जिस सटीकता से हमले किए गए, उससे पता चलता है कि आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे। यह 5वीं बार था जब उसी क्षेत्र से हमले किए गए और क्षेत्र की खोज के प्रयासों को कुकी महिलाओं ने रोक दिया। हालांकि, संयुक्त टीम ने सीआरपीएफ और पुलिस जवानों पर हमला करने वाले उग्रवादियों की तलाश शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हमले की निंदा की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मैं आज जिरीबाम जिले में सशस्त्र समूह के हमले और उसमें सीआरपीएफ के एक जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। इस सशस्त्र समूह के कुकी उग्रवादी होने का संदेह है।' उन्होंने कहा कि कर्तव्य के निर्वहन के दौरान उनका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। मैं शहीद सैनिक के शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। साथ ही हमले के दौरान घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

- **पुलिस ने कहा कि सी.आर.पी.एफ. कर्मी के सिर पर उस समय गोली मारी गई, जब वह वाहन चला रहा था। जिरीबाम के एक निवासी ने कहा, जिस सटीकता से हमले किए गए, उससे पता चलता है कि उग्रवादी अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर रहे थे।**
- **हमले के बाद कुकी महिलाओं ने सुरक्षाबलों को इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाने से रोक दिया और सुरक्षाबलों को इलाके से वापस लौटना पड़ा।**

बीते दिनों मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में सशस्त्र समूह अरंबाई टेंगोल के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान, उनके कब्जे से हथियार जब्त किए गए। पुलिस ने बताया कि नंबुल मापल क्षेत्र से पिछले बुधवार को ये गिरफ्तारियां हुईं। इन अरंबाई टेंगोल सदस्यों की पहचान कंगबाम लेनिन सिंह और तोइजम शांति किशोर के रूप की गई है।

पुलिस के मुताबिक, सिंह और किशोर के कब्जे से एक मैगजीन और 16 कारतूस के साथ एक इंसास राइफल, एक मैगजीन और तीन कारतूस के साथ .38 कैलिबर की पिस्तौल जब्त की गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार, सिंह और किशोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, 3 आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 14 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर में सेना ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सुरक्षा बलों ने रविवार को 3 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने कहा कि अंतिम जानकारी मिलने तक घुसपैठ रोधी अभियान जारी था।

- **जम्मू-कश्मीर के केरन सेक्टर में सेना ने रविवार को नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी।**

श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, केरन सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर जारी घुसपैठ रोधी अभियान में तीन आतंकवादी मारे गए हैं। साथ ही हथियार और अन्य युद्ध सामग्री भी बरामद की गई हैं। हालांकि, मारे गए दहशतगर्दों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)